अनुमोदित

2018-19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम

विषय –हिंदी

संकाय – कला

(नियम, परीक्षा योजना, अंक योजना एवं पाठ्यक्रम)

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम

हिंदी

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र – हिंदी निंबध तथा अन्य गद्य विधाएँ

अधिकतम अंक – 100 **5 क्रेडिट** उत्तीर्णांक – 40

(आंतरिक मूल्यांकन–30)

(लिखित परीक्षा–70)

आवश्यकता :–

1. छात्रों को गद्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी होना आवश्यक है।
2. गद्यय के रचयिताओं की साहित्य व सामाजिक पृष्ठ भूमि की समीक्षा करना उन्हें जानना आवश्य है।

उद्देश्य –

1. हिंदी गद्य साहित्य के विकासक्रम की जानकारी।
2. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्त्विक स्वरूप का परिचय देना।
3. विधा विशेष के तात्त्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य मे रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यॉकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित करना।

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम – चिंतामणि (भाग 1) – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
पाठ्य निबंध – कविता क्या है, लोक मंगल की साधनावस्था

इकाई द्वितीय – अशोक के फूल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
पाठ्य निबंध – अशोक के फूल, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है

इकाई तृतीय – चंद्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद
(नाटक)

इकाई चतुर्थ – उत्तिष्ठभारत त्रिभुवननाथ शुक्ल (नाटक)

इकाई पंचम – स्मृति की रेखाएँ – महादेवी वर्मा
(रेखाचित्र) – घीसा तथा बिटिया

अनुशंसित पुस्तकें –

1. गोविंद चातक – नाटक की साहित्यिक संरचना
2. लक्ष्मीनारायण लाल – रंगमंच और नाटक की भूमिका
3. बच्चन सिंह – हिंदी नाटक
4. डॉ नगेंद्र – भारतीय नाट्य साहित्य
5. डॉ ओ पी शर्मा – स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच : समस्या और उपलब्धि
6. महादेवी वर्मा – साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध
7. डॉ ठाकुर प्रसाद सिंह – हिंदी निबंध और निबंधकार
8. डॉ गणेश वर्मा – हिंदी के प्रमुख निबंधकार : रचना और शिल्प
9. हरवंश लाल शर्मा – हिंदी रेखाचित्र
10. मक्खन लाल शर्मा – हिंदी रेखाचित्र : सिद्धांत और विकास
11. डॉ.विश्वनाथ प्रताप सिंह – रेखाचित्र : स्वरूप और समीक्षा
12. संपादन डॉ.तुकाराम पाटील तथा डॉ नीलाबोवर्णकर – हिंदी यात्रा साहित्य
13. उत्तिष्ठभारत – त्रिभुवननाथशुक्ल, अमनप्रकाश कानपुर

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम

हिंदी

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र –हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

अधिकतम अंक – 100 | 5 क्रेडिट | उत्तीर्णांक – 40

(आंतरिक मूल्यांकन–30)

(लिखित परीक्षा –70)

आवश्यकता :–

1. आज आवश्यकता है कि हम छात्र छात्राओं को हिंदी साहित्य के प्राचीन इतिहास से अवगत करायें
2. छात्रों को प्रारम्भिक साहित्य के विषय में परिचित कराना तथा भक्ति और रीति काल के इतिहास को समझना।

उद्देश्य –

1. युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
2. आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. जैन, सिद्ध, नाथ, अपभ्रंश साहित्य के विकास के प्रमुख चरणों, प्रवृत्तियों, प्रभावों, उपलब्धियों तथा सीमाओं से अवगत कराना।
4. युगीन सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम – हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ – सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, रासो काव्य परंपरा एवं रासो ग्रंथों की प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई द्वितीय –भक्ति आंदोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, प्रमुख निर्गुण संत, निर्गुण भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई तृतीय –प्रमुख सगुण भक्त कवि, सगुण कवियों की प्रमुख रचनाएँ, सगुण भक्ति की मुख्य धाराएँ और उनकी शाखाएँ, सगुण भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई चतुर्थ – भारत में सूफी मत का उदय और विकास, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई पंचम – रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, प्रमुख रीतिकालीन कवि, रीतिमुक्त काव्यधारा और रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।

अनुशंसित पुस्तकें –

1. रामचंद्र शुक्ल – हिंदी साहित्य का इतिहास
2. संपादक डॉ. नगेन्द्र – हिंदी साहित्य का इतिहास
3. डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त – हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास
4. डॉ. बच्चन सिंह – हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
5. डॉ. गोविंद राम शर्मा – हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ
6. डॉ. बच्चन सिंह – आधुनिक साहित्य का इतिहास
7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – हिंदी साहित्य की भूमिका

8. डॉ. रामकुमार वर्मा – हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
9. डॉ. त्रिभुवन सिंह – हिंदी साहित्य : एक परिचय
10. डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया – हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ
11. डॉ. सुरेश कुमार जैन – हिंदी साहित्य का इतिहास : नये विचार नई दिशाएँ
12. डॉ नन्द किशोर पाण्डेय – संत साहित्य की समझ
13. नंददुलारे वाजपेयी – हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी
14. डॉ. मैनेजर पाण्डेय – साहित्य और इतिहास दृष्टि

27/4/18

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम

हिंदी

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र–आधुनिक काव्य

अधिकतम अंक – 100 | 5 क्रेडिट | उत्तीर्णांक – 40

(आंतरिक मूल्यांकन–30)

(लिखित परीक्षा–70)

आवश्यकता :–

1. छात्रों को आधुनिक हिंदी साहित्य के विषय में जानकारी होना आवश्यक है।
2. इन प्रश्नपत्र के माध्यम से छात्रों के क्षेत्र आधुनिक हिंदी साहित्य के प्रमुख स्तंभ था क्षेत्र ज्ञान होना आवश्यक है जिससे वे उनको प्रेक्षक परिस्थितियों तथा काव्य रचनाओं से प्रभावित हो सके।

उद्देश्य –

1. विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. विद्यार्थियों को आधुनिक काल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।
3. आधुनिक युग के इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम से परिचित कराना।
4. विद्यार्थियों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरूप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम – जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

इकाई द्वितीय – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : अनामिका (राम की शक्ति पूजा)

इकाई तृतीय – सुमित्रानंदन पंत : तारापथ (नौका विहार, एक तारा, परिवर्तन, द्रुतझरों)

इकाई चतुर्थ – महादेवी वर्मा : दीपशिखा (पंथ होने दो अपरिचित, जो न प्रिय पहचान पाती, मोम सा तन घुल चुका, पूछता क्यों शेष कितनी रात)

इकाई पंचम –

रामधारी सिंह 'दिनकर' : उर्वशी (सुकन्या – औषनरी संवाद)
कविताएँ – जनतंत्र का जन्म, समर शेष है, भारत का रेशमी नगर,
संचयिता – संपादक : रामधारीसिंह दिनकर

अनुशंसित पुस्तकें –

1. नंददुलारे वाजपेयी – जयशंकर प्रसाद
2. मुक्तिबोध – कामायनी : एक पुनर्विचार
3. नामवर सिंह – छायावाद
4. रमेशचंद्र शाह – छायावाद की प्रासंगिकता
5. द्वारिका प्रसाद सक्सेना – हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि

22/4/18

6. डॉ निर्मला जैन – आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ
7. डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना – कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन
8. सुशीला शर्मा – कामायनी : इतिहास और रूपक
9. डॉ संतोष कुमार तिवारी – नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर
10. डॉ बच्चन सिंह – कांतिकारी कवि निराला
11. डॉ दूधनाथ सिंह – निराला : आत्महंता आस्था
12. राजकिशोर यादव – आज के प्रतिनिधि कवि
13. श्री अंजनी कुमार – नई कविता की भूमिका
14. डॉ. जीवन प्रकाश जोशी – नई कविता की वैचारिक परिप्रेक्ष्य
15. डॉ. रमाशंकर मिश्र – नई कविता : संस्कार और शिल्प

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय,भोपाल

स्नातकोत्तर उपाधि पाठ्यक्रम

हिंदी

प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र–हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान

अधिकतम अंक – 100 (आंतरिक मूल्यांकन–30) (लिखित परीक्षा–70)

5 क्रेडिट

उत्तीर्णांक – 40

आवश्यकता :–

1. छात्र छात्राओं को हिंदी के विविध रूपो की जानकारी होना आवश्यक है तथा हिंदी के शब्द महार एवं व्याथर्रणक स्वरूप से भी परिचय होने की आवश्यकता है। साथ ही भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष को जानना तथा भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं के विषय में ज्ञान होना आवश्यक है।

उद्देश्य –

1. हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना।
2. साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।
3. भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना।
4. भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना।
5. भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।
6. विकास के संबंध में देवनागरी लिपि की विशेष जानकारी देना।
7. हिंदी के शब्द भेदों के विकासक्रम का विवरण देना।
8. हिंदी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम

इकाई प्रथम – भाषा : परिभाषा, तत्व, अंग, प्रकृति और विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाएँ (समाज भाषाविज्ञान, शैली विज्ञान और कोशविज्ञान का सामान्य परिचय)।

इकाई द्वितीय – स्वनिम विज्ञान – परिभाषा, स्वन, संस्वन और स्वनिम, स्वनयंत्र और स्वन उत्पादन प्रकिया, स्वन भेद, मानस्वर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

इकाई तृतीय – रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व और अर्थ तत्व, रूपिम और स्वनिम, रूपिमों का वर्गीकरण, वाक्य विज्ञान, वाक्य की परिभाषा, संरचना, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन – कारण एवं दिशाएँ।

इकाई चतुर्थ – अर्थ विज्ञान – शब्दार्थ संबंध, विवेचन, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।

इकाई पंचम – हिंदी भाषा का विकास, अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ और साहित्यिक विकास।
राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी।
देवनागरी लिपि की सामान्य विशेषताएँ।
हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण।

अनुशंसित पुस्तकें –

1. डॉ भोलानाथ तिवारी – भाषा विज्ञान
2. डॉ राजमल बोरा – भाषा विज्ञान
3. डॉ देवेंद्रनाथ शर्मा – भाषा विज्ञान की भूमिका : सैद्धांतिक विवेचन
4. डॉ त्रिलोचन पाण्डेय – भाषा विज्ञान के सिद्धांत
5. द्वारिका प्रसाद सक्सेना – भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा
6. डॉ रामेश्वर प्रसाद – राजभाषा हिंदी : प्रचलन और प्रसार
7. अनंत चौधरी – नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी
8. रामविलास शर्मा – आर्यभाषा परिवार
9. सुनीति कुमार चटर्जी – भारतीय आर्यभाषाएँ और हिंदी
10. धीरेंद्र वर्मा – हिंदी भाषा का इतिहास
11. उदय नारायण तिवारी – हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
12. संपादन सुरेश कुमार/ठाकुरदास – संपर्क भाषा हिंदी
13. सुधाकर सिंह – समकालीन हिंदी में रूपस्वामिनिकी
14. डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण
15. प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल – कोश विज्ञान : प्रविधि एवं प्रणा
16. प्रो. त्रिभुवननाथ शुक्ल – हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण, वाणी प्रकाशन दिल्ली